vinetur

यूरोपीय संघ और फिलीपींस ने मुक्त व्यापार समझौते पर सैद्धांतिक सहमति बनाई

यदि वार्ताकार कानूनी पाठ पूरा कर लेते हैं, तो यह समझौता सूअर के मांस, डेयरी, स्पिरिट्स, वाइन और जैतून के तेल पर बाधाएँ कम करेगा।

बुधवार, 23 सितंबर 2026



ब्रसेल्स और मनीला ने एक मुक्त व्यापार समझौते पर सैद्धांतिक सहमति हासिल कर ली है, एक ऐसा कदम जो बातचीत पूरी होने और समझौते को मंजूरी मिलने पर फिलीपीन बाजार को यूरोपीय खाद्य और पेय निर्यातों की एक विस्तृत शृंखला के लिए और खोल सकता है।

यूरोपीय व्यापार आयुक्त मारोस शेफ़चोविच ने 22 सितंबर को यह सफलता घोषित की, और कहा कि यूरोपीय संघ और फिलीपींस ने महीनों की फिर से शुरू हुई वार्ताओं के बाद एक समझौता खोज लिया है। यूरोपीय आयोग ने केवल सीमित विवरण जारी किए, लेकिन कहा कि इस समझ में प्रमुख कृषि-खाद्य निर्यातों, जिनमें सूअर का मांस, पोल्ट्री, डेयरी उत्पाद और स्पिरिट्स शामिल हैं, के लिए टैरिफ उदारीकरण शामिल है।

ब्रसेल्स द्वारा प्रस्तुत रूपरेखा के अनुसार, यूरोपीय वाइन और जैतून का तेल भी भविष्य के समझौते से लाभान्वित होने की उम्मीद है। फ्रांस और EU के अन्य उत्पादकों के लिए, इससे समय के साथ फिलीपीन बाजार में मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता बेहतर हो सकती है, खासकर उन पेय श्रेणियों में जहाँ आयात शुल्क मार्जिन और निर्यात योजना पर दबाव डाल सकते हैं। हालांकि, किसी भी वाणिज्यिक प्रभाव का निर्भर रहना अंतिम कानूनी पाठ और समझौते के कितनी जल्दी लागू होने पर होगा।

साथ ही, EU के लिए कई राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों के रियायतों से बाहर रहने की उम्मीद है। ब्रसेल्स ने संकेत दिया कि चावल, बीफ, चीनी, इथेनॉल, लहसुन और केले को बाहर रखा जाना चाहिए। इसका मतलब है कि वार्ताकारों ने ब्लॉक के भीतर कमजोर माने जाने वाले क्षेत्रों की रक्षा करने की कोशिश की है, जबकि उन उत्पादों के लिए व्यापक बाजार पहुंच सुरक्षित करने का प्रयास किया है जहाँ EU को अधिक निर्यात संभावनाएँ दिखती हैं।

समझौते में 200 EU भौगोलिक संकेतकों की एक सूची के लिए सुरक्षा भी शामिल है, जिनके बारे में ब्रसेल्स ने कहा कि उनका महत्वपूर्ण वाणिज्यिक हित है। यह बिंदु उन यूरोपीय उत्पादकों के लिए महत्वपूर्ण है जो अपनी निर्यात रणनीति के हिस्से के रूप में संरक्षित क्षेत्रीय नामों पर निर्भर हैं। वाइन और स्पिरिट्स कारोबार में, भौगोलिक संकेतक संरक्षण टैरिफ कटौतियों जितना ही महत्वपूर्ण हो सकता है, क्योंकि वे विदेशी बाजारों में नकल के खिलाफ ब्रांडेड मूल उत्पादों की रक्षा करने में मदद करते हैं।

यह घोषणा इस बात का संकेत नहीं है कि अंतिम समझौता पूरा हो चुका है। EU और फिलीपीन वार्ताकारों को आने वाले महीनों में अभी तकनीकी चर्चाएँ पूरी करनी हैं, जिनमें कार्यान्वयन नियम और अंतिम लंबित विवरण शामिल हैं। पाठ अंतिम रूप दिए जाने के बाद भी, प्रभावी होने से पहले उसे EU की मानक व्यापार अनुमोदन प्रक्रिया से गुजरना होगा।

वार्ताएँ सात साल के विराम के बाद 2024 के अंत में फिर शुरू हुई थीं। पिछला निलंबन तत्कालीन राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते की नीतियों पर EU की चिंताओं को दर्शाता था। पुनः शुरुआत ब्रसेल्स की बाहरी व्यापार नीति में व्यापक बदलाव का संकेत थी, क्योंकि ब्लॉक इंडो-पैसिफिक में अपने आर्थिक संबंध गहरे करने की कोशिश कर रहा है, एक ऐसा क्षेत्र जहाँ EU अधिक वाणिज्यिक और रणनीतिक प्रभाव चाहता रहा है।

यह व्यापक भू-राजनीतिक संदर्भ इस कदम के समय की व्याख्या करने में मदद करता है। फिलीपींस दक्षिण-पूर्व एशिया में EU को एक बढ़ता उपभोक्ता बाजार देता है और ऐसे क्षेत्र में अपनी मौजूदगी मजबूत करने का मौका देता है जहाँ व्यापार प्रतिस्पर्धा तेज़ हुई है। मनीला के लिए, यूरोपीय बाजार तक बेहतर पहुँच व्यापार संबंधों में विविधता ला सकती है और अधिक विदेशी कारोबारी रुचि आकर्षित कर सकती है।

समझौते से शामिल कृषि उत्पादों पर टैरिफ कटौतियों की गहराई, चरणबद्ध लागू होने की अवधि या किसी भी कोटा के बारे में बहुत कम विवरण सार्वजनिक किए गए हैं। ये बिंदु उन निर्यातकों और आयातकों के लिए महत्वपूर्ण होंगे जो समझौते के वास्तविक आर्थिक मूल्य का आकलन करना चाहते हैं। खाद्य और पेय व्यापार में, सुर्खियों में दिखने वाली उदारीकरण अक्सर लंबे संक्रमण काल, उत्पाद-विशिष्ट अपवादों या प्रशासनिक आवश्यकताओं को छिपा देती है, जो तत्काल प्रभाव को सीमित कर सकती हैं।

फिर भी, ब्रसेल्स द्वारा नामित क्षेत्र यह शुरुआती संकेत देते हैं कि EU कहाँ लाभ देखता है। स्पिरिट्स को स्पष्ट रूप से उन निर्यातों में शामिल किया गया है जिन्हें टैरिफ उदारीकरण से लाभ मिलेगा, और वाइन को एक और संभावित विजेता के रूप में अलग से रेखांकित किया गया है। यूरोपीय पेय कंपनियों के लिए, जिनमें एशिया में वृद्धि तलाश रहे फ्रांसीसी वाइन उत्पादक शामिल हैं, यह एक संभावित अवसर खोलता है ऐसे बाजार में जहाँ कम शुल्क वितरण और मूल्य निर्धारण रणनीतियों को सहारा दे सकते हैं। यदि भौगोलिक संकेतक अध्याय को वर्णित तरीके से लागू किया जाता है, तो यही तर्क संरक्षित यूरोपीय मूल से जुड़े अन्य प्रीमियम पेयों पर भी लागू हो सकता है।

रियायतों से इथेनॉल का बहिष्कार भी खास तौर पर उल्लेखनीय है। यह फैसला उस संतुलन की ओर इशारा करता है जिसे वार्ताकार निर्यात अवसरों और उन क्षेत्रों की सुरक्षा के बीच साधने की कोशिश कर रहे हैं जो EU के भीतर अब भी संवेदनशील बने हुए हैं। यह यह भी दिखाता है कि भले ही ब्रसेल्स विदेशों में अधिक पहुँच के लिए जोर दे रहा हो, वह अब भी उन उत्पादों के चारों ओर सुरक्षा-घेरा बनाए हुए है जो घरेलू स्तर पर अधिक प्रतिरोध पैदा कर सकते हैं।

फिलहाल, व्यवसायों के पास एक रूपरेखा है, पूरा व्यापार समझौता नहीं। आयोग का बयान दोनों पक्षों के बीच राजनीतिक सहमति का संकेत देता है, लेकिन वाणिज्यिक शर्तों को अभी भी कानूनी पाठ में ढालना होगा और फिर EU की संस्थागत प्रक्रिया के जरिए मंजूरी लेनी होगी। तब तक, निर्यातक अंतिम टैरिफ अनुसूचियों, संरक्षित नामों के उपचार और लागू होने की समय-सीमा पर नज़र रखेंगे।